ISSN: 2278-4632
Vol-14, Issue-3, March : 2024

वर्तमान में ग्रामीण महिलाओं की सामाजिक स्थिति का विश्लेषण बिलासपुर जिले के विशेष संदर्भ में

नेहा सिंग शोधार्थी सामाज शस्त्र डॉ. सी .वी .रामन विश्वविद्यालय
करगी रोड कोटा
डॉ. रीना तिवारी सह. प्राध्यापक सामाजिक विज्ञान (सामाज शस्त्र)
डॉ. सी .वी .रामन विश्वविद्यालय करगी रोड कोटा

सारांश

ग्रामीण महिलाओं के समग्र विकास एवं सशक्तिकरण के लिए महिलाओं के जीवन को प्रभावित करने वाले सभी पहलुओं चाहे वह सामाजिक आर्थिक राजनीतिक सांस्कृतिक हो सभी को सम्मिलित करना आवश्यक है आज आवश्यकता महिलाओं को जागरूक करने एवं उन्हें यह बताने की है कि उनके अंदर कितनी क्षमता है उसे क्षमता का विकास करना है उन्हें जागरूक बनाया जाए क्योंकि यह उनके उज्जवल भविष्य के लिए एक बेहतर अवसर प्रदान करेगा उनका मार्गदर्शन और पोषण भी किया जाए ताकि वह अपने अंदर छुपी प्रतिभा को जान पाए और उसे लेकर आगे बढ़ पाए समाज में ऐसे वातावरण को विकसित करने की आवश्यकता है जिसमें महिला हिंसा पर रोक लगाया जाए बाल हत्या पर बाल विवाह पर रोक लगाया जाए आज अनेक अवसर है पर उन अवसरों का लाभ ग्रामीण महिलाएं काम ही उठा पा रही हैं इसके लिए सरकारी व गैर सरकारी प्रयास किए जा रहे हैं जिनसे उन्हें अवगत कराया जाए ताकि वह घर की चार दिवारीयों से बाहर निकलकर अपने लिए तरक्की के आयाम पैदा कर सके अपने को सशक्त बना सके लेकिन सदियों से चली आ रही रूढ़ियों और परंपराओं को तोड़ने में अभी भी महिलाओं को काफी वक्त लग रहा है महिलाओं को संगठित होकर अपना अधिकारों के प्रति जागरूक होना होगा ताकि वह सभी क्षेत्रों में अपनी भागीदारी स्थापित कर सके और अपने वृद्धि और विकास के लक्ष्य को प्राप्त कर सशक्त भारत का निर्माण कर सके इस शोध पत्र के माध्यम से हमने ग्रामीण महिलाओं के बदलती सामाजिक स्थिति पर प्रकाश डालने का प्रयास किया गया है और उनकी जो समस्याएं हैं उनके समाधान के लिए सुझाव दिए गए हैं।

प्रस्तावना

भारत में महिलाओं की वर्तमान स्थिति पिछले कुछ समय से कई बदलावों से गुजर रही है अगर हम प्राचीन काल में देखे तो पुरुषों के साथ बराबरी पुरुषों के साथ बराबरी की स्थिति थी लेकिन जैसे ही मुगलकालीन युग आया तो महिलाओं की स्थिति निम्न होती गई और साथ ही कई सुधारो द्वारा समान अधिकारों को बढ़ावा दिए जाने तक भारत में महिलाओं का इतिहास काफी गतिशील रहा है काफी उतार-चढ़ाव उनके स्थिति में आए हैं जिस प्रकार का कल रहा उसे प्रकार उनकी स्थिति में परिवर्तन देखने को हमें मिलता है अगर हम आधुनिक भारत की बात करें तो आज महिलाएं राष्ट्रपति प्रधानमंत्री लोकसभा अध्यक्ष नेता प्रतिपक्ष पायलट अंतरिक्ष यात्री आदि जैसे शीश पदों पर आसीन हुई है और अपना नाम स्थापित किया है स्वामी विवेकानंद जी ने भी कहा है जब तक महिलाओं की स्थिति नहीं सुधरेगा तब तक इस दुनिया के कल्याण की कोई संभावना ही नहीं है यह कथन आज भी उतना ही सत्य है और सरकार और अवसर मिलने पर आज हर क्षेत्र महिलाओं ने कई सीमाएं बंधन के बावजूद सराहनी काम किया है हम वर्तमान में देखें तो महिलाएं खेल के क्षेत्र में भी काफी आगे आई है इनमें हम सबसे पहले नाम लेंगे सानिया मिर्जा, साइना नेहवाल, मैरी कॉम, पी. वी. शिंधू ऐसे अनेक नाम है यह कहा जा सकता है महिलाएं आज के वर्तमान भारत में अपना वर्चस्व स्थापित कर रही हैं।

संपूर्ण भारत के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं भी इससे अछूती नहीं है वह भी घर की चार

Copyright @ 2024 Author

ISSN: 2278-4632
Vol-14, Issue-3, March : 2024

दिवारी से बाहर निकलकर हर व्यवसाय में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही है 70 से 80 फ़ीसदी कृषि कार्य आज भी महिलाओं द्वारा किया जा रहा है तथा कृषि श्रम में उनकी भागीदारी 66% के करीब है पर समाज आज भी महिलाओं को किसान के रूप में नहीं देखा है घर समाज में जब महत्वपूर्ण फैसले लिए जाते हैं उनमें महिलाओं को सम्मिलित नहीं किया जाता है उनके मत को भी स्वीकार नहीं किया जाता है इस समस्या का हल है कि महिलाओं को शिक्षित करना होगा उन्हें उनके अधिकारों से अवगत कराना होगा पहले सरकार द्वारा अनेक विकास कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं जैसे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ एवं स्व सहायता समूह, रीपा योजना, मनरेगा, महतारी वदन योजना, विश्वकर्म योजना जैसे अभियानों पर विशेष जोर दिया जा रहा है बेटियों के प्रति समाज की सोच बदलने में यह अभियान मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता **योजना** सकारात्मक परिणाम दे रहा है जिससे उत्साहित होकर सरकार ने इस देश के सभी जिलों में लागू करने का फैसला किया है यह बहुत ही सराहनीय कार्य है जिसके माध्यम से बेटियों को शिक्षित कर उनके उज्जवल भविष्य की ओर आगे बढ़ाया जा रहा है l

महिलाओं के सर्वांगीण विकास के सरकार ने अनेक ठोस कदम उठाए हैं जैसे दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंड अप इंडिया महिला पुलिस स्वयंसेवक, वन स्टॉप सेंटर ,स्वाधारा गृह योजना, आदि। महिलाओं को प्रत्येक क्षेत्र में आगे लाने के लिए सरकार अनेक सक्रिय कार्य कर रही है जिससे ग्रामीण महिलाएं सक्रिय रूप से भागीदार होकर आगे आए इसके लिए जरूरी है कि वह राजनीति और सरकार की नीतियों में सक्रिय भागीदारी दे अतः ग्रामीण क्षेत्रों में निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों के लिए सरकार द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है ताकि महिलाएं अपने गांव का समक्ष नेतृत्वकर उसे विकसित कर सके।

उपरोक्त सभी प्रयास सराहनी तो है किंतु इनको सफल बना तभी बनाया जा सकता है जब महिला विकास के सभी प्रयासों में परस्पर तालमेल हो और महिलाएं खुद आगे आकर अपनी भागीदारी दे इन प्रयासों को लागू करने वाले विभागों में भी तालमेल होना चाहिए जो योजनाएं महिलाओं के लिए बनाई जा रही हैं वह योजनाएं योजनाओं का लाभ व ले पा रही है कि नहीं इसका भी आकलन होना चाहिए तभी तो हम राष्ट्रीय महिला नीति 2016 के लक्ष्य प्राप्त कर सकेंगे जिससे महिलाएं जीवन के हर क्षेत्र में अपनी संपूर्ण संभावनाओं को हासिल कर सके और अपना विकास और समाज का विकास कर सके।

अध्यन का उद्देश्य

किसी भी अध्ययन का महत्वपूर्ण चरण उद्देश्य निर्धारण होता है जिनके आधार पर सामाजिक शोध को वैज्ञानिक बनने के साथ-साथ एक दिशा प्रदान की जाती है अतः प्रस्तुत शोध के उद्देश्य निम्नलिखित है।

- शिक्षा के उपरांत ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर में आए परिवर्तन का अध्ययन करना।
- शासकीय योजनाओं का ग्रामीण महिलाओं की स्थिति पर किस प्रकार प्रभाव पड़ा इसका अध्ययन करना।

अध्यन की परिकल्पना

किसी भी शोध की प्रासंगिकता के लिए उसे वैज्ञानिक स्वरूप प्रदान करने हेतु परिकल्पना का निर्माण करना अति आवश्यक हो जाता है उपकल्पना सामाजिक शोध को एक आधार प्रदान करती है जिसके द्वारा सामाजिक शोध पर एक दिशा मिलती है।

- ग्रामीण महिलाओं की बदलती स्थिति में शासकीय योजनाओं का महत्वपूर्ण योगदान होगा।

Copyright @ 2024 Author

ISSN: 2278-4632
Vol-14, Issue-3, March : 2024

- शिक्षा एवं कौशल विकास कार्यक्रम से ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक किसी से सुदृढ़ हुई होगी।

अध्ययन की विधि

प्रस्तुत अध्ययन कार्य के लिए अवलोकन एवं साक्षर कर अनुसूची विधि का उपयोग किया गया है इसके लिए छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के तखतपुर विकासखंड की ग्रामीण महिलाओं को न्याय दश के रूप में चयनित किया गया है आंकड़ों के संकलन के लिए हमने साक्षात्कार अनुसूची का निर्माण किया है सामान को की व्याख्या विश्लेषण हेतु प्रतिशत के लिए सारणी विधि का प्रयोग किया गया है।

क्रमांक	ग्रामीण महिलाओं में शिक्षा का आधार	आवृत्ति	प्रतिशत
1	शिक्षित	28	56
2	अशिक्षित	22	44
योग		50	100

क्रमांक	ग्रामीण विकास कार्यों में सहभागिता	आवृत्ति	प्रतिशत
1	हां	35	70
2	नहीं	15	30
योग		50	100

क्रमांक	परिवार में महिलाओं का पुरुषों के समान प्रस्थिति	आवृत्ति	प्रतिशत
1	हां	20	40
2	नहीं	30	60
योग		50	100

निष्कर्ष

यह कहा जा सकता है कि ग्रामीण संरचना में 56% महिलाएं शिक्षित एवं 44% महिला अशिक्षित पाई गई है इसी प्रकार ग्रामीण विकास कार्य में ग्रामीण महिलाओं की सहभागिता 70% देखी गई है जबकि 30% महिलाओं की सहभागिता नहीं पाई गई है ग्रामीण संरचना में महिलाओं की स्थिति पुरुषों की तुलना में कम ही देखी गई है इसी प्रकार 42% महिला नौकरी एवं व्यवसाय का कार्य करती है जबकि 58% ग्रामीण महिला गृह कार्य करती है।

प्राचीन कालीन ग्रामीण संरचना की तुलना में वर्तमान ग्रामीण संरचना में महिलाओं की स्थिति में सुधार आया है आज महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हुई है और साक्षर भी हो रही है और सरकार द्वारा जो भी योजनाएं चलाई जा रही है उसका वह लाभ उठाकर अपने को सुदृढ़ बना रही है ग्रामीण महिलाओं के विकास में सरकारी योजनाएं लाभकारी सिद्ध हुई है वर्तमान में महिलाएं शिक्षा को प्राथमिकता

Copyright @ 2024 Author

ISSN: 2278-4632
Vol-14, Issue-3, March : 2024

दे रही है और अपने जीवन के सामाजिक आर्थिक राजनीतिक सांस्कृतिक सभी क्षेत्रों में अपनी सहभागिता दर्ज़ कर रही है। यह कहा जा सकता है कि वर्तमान में ग्रामीण महिलाओं की स्थिति पहले की अपेक्षा अच्छी हो गई है इसी प्रकार की सरकार द्वारा जो भी योजनाएं चलाई जा रही हैं वह अपना सराहनीय कार्य कर रही है।

संदर्भ सूची

- किशन राज, 2004, स्त्री परंपरा और आधुनिकता, प्रथम संस्करण वाणी, प्रकाशन दिल्ली।
- कुमार राधा, 2000, स्त्री संघर्ष का इतिहास, 1800- 1960 प्रथम संस्करण वाणी, प्रकाशन दिल्ली।
- महिला एवं बाल विकास विभाग (2016), '' महिला एवं बाल विकास की योजनाएं '' , प्रचार पुस्तिका , सैक्टर 34- ए चण्ड़ीगढ़
- बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं (2015), " वुमन एण्ड चाईल्ड डैवल्पमैन्ट डिपार्टमैन्ट हरियाणा " सैक्टर - 4 पंचकुला पृ0. स0.1-5
- महिला एवं बाल विकास विभाग (2015), " आपकी बेटी हमारी बेटीं " भारतीय जीवन बीमा निगम व समूह योजना विभाग जीवन प्रकाशन सैक्टर 17- बी चण्डीगढ़ पृ .स .1
- वार्षिक प्रशासनिक रिर्पोट(2012-13) महिला एवं बाल विकास विभाग , हरियाणा सरकार पृ.स. 15
- यादव पद्मा, ठाकुर स्वाती (2017), " विकास योजनाओं के केन्द्र में महिलाएं " कुरूक्षेत्र ,पृ .स. 40

Copyright @ 2024 Author